

accompanying children to the applicants, their ages or other particulars and the genuineness of the birth certificates/admission letters etc., furnished.]

अणुशक्ति के संबंध में अनुसंधान

२१५. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में कहां कहां अणुशक्ति के संबंध में अनुसंधान-कार्य कब कब से चल रहा है ;

(ख) उन स्थानों पर किन किन बातों का सफलतापूर्वक अनुसंधान किया गया ;

(ग) अनुसंधान-कार्य पर अब तक कितना रुपया खर्च किया जा चुका है ;

(घ) इस विषय का ज्ञान प्राप्त करने के लिये किन किन लोगों को कब कब विदेश भेजा गया व उन पर कितना कितना खर्च किया गया ; और

(ङ) विदेशों में योग्यताप्राप्त उन व्यक्तियों ने भारत वापस आने पर जो सफल प्रयोग किये उनका व्यौरा क्या है ?

RESEARCH ON ATOMIC ENERGY

215. SHRI V. M. CHORDIA: Will the the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the names of places in India where research work on Atomic Energy is being done and since when it is being done at each place;

(b) the matters in respect of which research has been made with success at those places;

(c) the expenditure so far incurred on the research work;

(d) the names of persons who were sent to foreign countries for attaining

knowledge of this subject and when they were sent and what expenditure was incurred on each of them; and

(e) the details of the successful experiments conducted by those foreign qualified persons on their return to India?]

प्रधान मंत्री तथा परमाणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) से (ङ) आवश्यक जानकारी इकट्ठी करने के लिए इतने समय और परिश्रम की आवश्यकता है कि प्राप्त होने वाले संभाव्य परिणाम इनके अनुरूप नहीं होंगे । वास्तव में, १९४८ में परमाणु-शक्ति आयोग की स्थापना के समय से ही यह सूचना सांगी गई प्रतीत होती है और इसके अन्तर्गत विभाग तथा इसके कार्य का पूरा विवरण और इतिहास आ जाता है । इसमें से बहुत कुछ वार्षिक रिपोर्टों और संसद् में समय समय पर दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में कहा जा चुका है ।

THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF ATOMIC ENERGY (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) to (e) The time and labour involved in collecting the required information is such that it would not be commensurate with the result likely to be achieved. In fact, the information required which appears to be from the date that the Atomic Energy Commission was founded in 1948 would involve a full record and history of the Department and its work. Much of this has been given in the annual reports and in the answers given to questions in Parliament from time to time.]

अणुशक्ति से बिजली के उत्पादन की योजना

२१६. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अणुशक्ति से व्यापक रूप से बिजली

[] English translation.